सेमेस्टर–7
प्रश्नपत्र–15

साहित्य–चिंतन–2

100 अंक

इकाई –एक : पाश्चात्य साहित्य चिंतन

–अरस्तू	–	त्रासदी विवेचन
–लोंजाइनस	–	उदात्त सिद्धांत
–वर्ड्सवर्थ	–	स्वच्छंदतावाद एवं काव्य भाषा

इकाई –दो : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय

1. आधुनिकता और आधुनिकबोध
2. काव्यानुभूति
3 रूप और वस्तु
4. बिंब, प्रतीक और मिथक
5. विसंगति और विडंबना
6. फैंटेसी

इकाई –तीन : प्रमुख आलोचकों के पाठों का अध्ययन

1. प्रेमचंद – साहित्य का उद्देश्य
2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – काव्य में लोकमंगल
3. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी – आधुनिक साहित्य : नई मान्यताएँ

इकाई –चार : प्रमुख आलाचकों के पाठों का अध्ययन

4. रामविलास शर्मा – परम्परा का मूल्यांकन
5. नलिन विलोचन शर्मा – साहित्यकार की सामाजिक चेतना
6. नामवर सिंह – व्यापकता और गहराई

~~प्रश्न पत्र का अंक विभाजन~~

प्रश्न : 4 X 15	60
टिप्पणी : 2 :– 7 और 8 अंक	~~15~~
	75

प्रमुख अध्ययन सामग्री :

1.साहित्य सिद्धान्त	–	रामअवध द्विवेदी
2.साहित्य सिद्धान्त	–	रेनेवेलक ऑस्टिन वारेन (अनुवाद)
3.पाश्चात्य काव्यशास्त्र	-	देवेन्द्रनाथ शर्मा
4.हिंदी साहित्य कोश	-	सं. धीरेन्द्र वर्मा

अन्य सहायक पुस्तकें :

1.चिन्तामणि	–	आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2.आस्था के चरण	–	नगेंद्र
3.कविता के नये प्रतिमान	–	नामवर सिंह
4.पाश्चात्य साहित्य-चिंतन	-	निर्मला जैन
5.हिंदी आलोचना के बीज शब्द	-	बच्चन सिंह
6.एक साहित्यिक की डायरी	-	मुक्तिबोध
7.आलोचना से आगे	-	सुधीश पचौरी
8.मिथकीय अवधारणा और यथार्थ	–	रमेश गौतम
9.हिंदी गद्य, विन्यास और विकास	–	रामस्वरूप चतुर्वेदी
10. दूसरी परंपरा की खोज	–	नामवर सिंह
11. हिंदी आलोचना	–	विश्वनाथ त्रिपाठी
12. आलोचना का नया पाठ	–	गोपेश्वर सिंह
13. संकलित निबंध	–	नलिन विलोचन शर्मा
14. हिंदी आलोचना का विकास	–	नंदकिशोर नवल
15. आस्था और सौन्दर्य	–	रामविलास शर्मा